केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
(An Autonomous Organisation under the Ministry of Education, Govt. of India)

24.10.2025

प्रेस प्रकाशनी

मादक पदार्थों के दुष्प्रयोग की रोकथाम हेतु विद्यालयों का सशक्तिकरण

सीबीएसई–एनसीबी द्वारा नशामुक्त विद्यालयी वातावरण को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम

नई दिल्ली: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) तथा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 3 सितंबर 2025 को हस्ताक्षर किए गए अपने सहमति ज्ञापन (MoU) के अनुसरण में, संस्कृति स्कूल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में संयुक्त रूप से एक नशा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन के माध्यम से नशामुक्त शैक्षिक परिसरों के निर्माण के प्रति दोनों संस्थाओं की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ **संस्कृति स्कूल की प्राचार्या श्रीमती ऋचा शर्मा अग्निहोत्री** द्वारा किया गया, जिन्होंने मादक पदार्थों के दुष्प्रयोग से निपटने तथा स्वस्थ एवं जागरूक युवाओं के विकास में विद्यालयों की सार्थक भूमिका को रेखांकित किया। **डॉ. अनीस सी., आईआरएस, उप निदेशक, एनसीबी** ने अपने संबोधन में मादक द्रव्यों के खतरे से निपटने में जागरूकता एवं सामूहिक उत्तरदायित्व की निर्णायक भूमिका पर बल दिया। उन्होंने प्रवर्तन, क्षमता निर्माण तथा जनसंपर्क पहलों सहित एनसीबी के बहुआयामी प्रयासों को रेखांकित किया और विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से समाज की सुरक्षा हेतु सतर्क एवं सक्रिय बने रहने का आह्वान किया। डॉ. अनीस ने विद्यालय वर्ग को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग एवं तस्करी से संबंधित जानकारी देने और सहायता लेने के लिए एनसीबी की मानस हेल्पलाइन (1933) के सक्रिय प्रचार-प्रसार के लिए भी प्रोत्साहित किया।

सीबीएसई की सहायक प्रोफेसर एवं संयुक्त निदेशक ने बोर्ड की प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी पहलों की जानकारी दी जिनमें सीबीएसई–एनसीबी सहमति ज्ञापन, काउंसलिंग हब एवं स्पोक मॉडल, पेरेंटिंग कैलेंडर, करियर गाइडेंस डैशबोर्ड तथा सीबीएसई–एम्स मेट (MATE) कार्यक्रम शामिल हैं, जो विद्यार्थियों की मनोसामाजिक स्वस्थता एवं समग्र विकास को सुदृढ़ करने हेतु लाए गए हैं।

कार्यक्रम के दौरान मादक पदार्थों के दुष्प्रयोग की रोकथाम हेतु शुरुआती हस्तक्षेप, नशामुक्ति तथा पुनर्वास के लिए साझा रणनीतियों पर प्रकाश डालती हुई एक प्रस्तुति भी दी गई। सामूहिक सतर्कता एवं जागरूकता के महत्व को सुदृढ़ करते हुए एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक के मंचन से **"ड्रग्स को ना, जीवन को हाँ और सपनों को हाँ"** का एक प्रभावी नशा-विरोधी संदेश दिया गया। इस आयोजन में **500 से अधिक विद्यार्थियों एवं 25 शिक्षकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता** देखने को मिली, जो नशामुक्त विद्यालयों के निर्माण तथा सशक्त युवाओं के विकास के प्रति साझा संकल्प को दर्शाती है। कार्यक्रम का समापन एक स्वस्थ, सतर्क एवं सुदृढ़ समाज की दिशा में सामूहिक संकल्प की प्रतीक **"नशामुक्त जीवन की शपथ"** के साथ हुआ।

यह पहल शिक्षा प्रणाली में मादक पदार्थों के दुष्प्रयोग की रोकथाम को आमेलित करने हेतु सीबीएसई एवं एनसीबी के सतत प्रयासों का हिस्सा है, जो सतर्क, सुदृढ़ एवं जागरूक युवा नागरिकों के निर्माण के राष्ट्रीय संदृश्य के अनुरूप है।

सचिव, सीबीएसई

झलकियाँ

डॉ. अनीस सी., आईआरएस, उप निदेशक, एनसीबी

संस्कृति स्कूल, नई दिल्ली की प्राचार्या श्रीमती ऋचा शर्मा अग्निहोत्री

विद्यार्थियों की प्रस्तुति

नुक्कड़ नाटक

मादक द्रव्यों के अपसेवन के विरुद्ध शपथ

****